प्यास अतफ़ाले शहेदीं की

प्यास अतफ़ाले शहेदीं की बुझाने के लिए
जाते हैं अब्बासे ग़ाज़ी पानी लाने के लिए

बोले शह दिल थामकर मक़तल को जब अकबर चले
दू रिज़ा किस तरह बरछी दिल पर खाने के लिए

लाशे अकबर आयी खेमे में तो मादर ने कहा
क्या गए थे घर से मक़तल ख़ुल्द जाने के लिए

नींद अजल की आ गयी तुमको मेरे कड़ियल जवाँ
और हम मुशताक़ थे दूल्हा बनाने के लिए

कैसी यह ग़फलत है बस अब सो चुके बेटा उठो
माँ सरहाने आयी है तुमको जगाने के लिए

मय्यते असगर पा मादर ने कहा सर पीटकर
रन में क्या बेटा गए थे तीर खाने के लिए

घुटनियों चलने न पाए थे के मौत आयी तुम्हें
माँ अकेली रह गयी सदमें उठाने के लिए

याँ गिरी बाली सकीना रन में लाशें शाह पर
वाँ चला शिमरे लई दुर्रे लगाने के लिए

या हुसैन अब 'फिक्र' को कब्रों बला बुलवाइए
दिल बहुत बेताब है रौज़े पा जाने के लिए